



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 73]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 6, 2015/माघ 17, 1936

No. 73]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 6, 2015/MAGHA 17, 1936

नगर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 2015

सा.का.नि. 76(अ).—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केंद्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम 1934 (1934 का 22) के खंड-5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा-14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, तो उसे महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग हवाई अड्डा के सामने, नई दिल्ली-110003 को भेजें।

उक्त अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (खतरनाक माल वहन) संशोधन नियम, 2015 है।
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. वायुयान (खतरनाक माल वहन) नियम, 2003 में, —
(क) नियम, 2 में, —
(i) खंड (6) में “या संपत्ति का काफी नुकसान” शब्दों के स्थान पर “संपत्ति या पर्यावरण का काफी नुकसान” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए।
(ii) खंड (7) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:—
“7 “खतरनाक माल घटना” से अभिप्रेत है,—
(i) ऐसी कोई घटना जो खतरनाक माल दुर्घटना से भिन्न, वायुयान द्वारा खतरनाक माल के परिवहन से सहयुक्त और उससे संबंधित है किंतु जिसको किसी वायुयान के फलक पर घटित होना आवश्यक नहीं

है और जिसके परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति, संपत्ति या पर्यावरण को क्षति पहुँची हो या आग लगी हो, टूट-फूट हुई हो, कुछ बिखरा हो, द्रव्य रिसाव या ऐसा कोई विकिरण या त्रुटिपूर्ण पैकेजिंग से उत्पन्न कोई घटना हो ; और

- (ii) खतरनाक माल के परिवहन के कारण कोई घटना जो किसी विमान या उसमें सवार व्यक्तियों को गंभीर जोखिम में डालती हो।”

(iii) खंड (8) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“(8 क) “छूट” से अभिप्रेत वह प्राधिकार है जो समुचित राष्ट्रीय प्राधिकरण द्वारा परिशिष्ट और तकनीकी अनुदेशों के उपबंधों से राहत प्रदान कर दिए गए अनुमोदन से भिन्न हो।”

(iv) खंड (18) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“(18) तकनीकी अनुदेशों” से अभिप्रेत वह अनुदेश है जो अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन परिषद द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार हवाई मार्ग द्वारा खतरनाक माल के सुरक्षित परिवहन के लिए आवधिक रूप से अनुमोदित और जारी किए गए हैं।”

(ख) नियम, 9 के पश्चात्, निम्नलिखित उप नियम अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“(9 क) गलत घोषित और अघोषित खतरनाक माल—(1) प्रचालक या उसकी ओर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कार्य करने वाला कोई अन्य व्यक्ति, सामान, कार्गो या डाक को स्वीकार करने और या हैंडलिंग के लिए गलत घोषित या अघोषित माल की नोटिस मिलती है या उसे प्राप्त करता है तो वह उसकी रिपोर्ट महानिदेशक को करेगा।

(2) उप-नियम (1) के तहत रिपोर्ट में, ऐसी अन्य संगत सूचना के अतिरिक्त, निम्नलिखित सूचना भी निहित होगी, अर्थात्:—

(i) रिपोर्ट करने वाले व्यक्ति या प्रचालक का नाम और पता;

(ii) माल भेजने वाले का नाम और पता;

(iii) गलत घोषित और अघोषित खतरनाक माल की तारीख और पता लगाने का स्थान;

(iv) समुचित माल भेजने वाले का नाम और ऐसे खतरनाक माल की मात्रा तथा खतरनाक माल की श्रेणी या भाग;

(3) रिपोर्ट की प्राप्ति पर महानिदेशक यदि, आवश्यक समझें, गलत घोषित और अघोषित खतरनाक माल के कारणों को निर्धारित करने के लिए छानबीन करने का आदेश दे सकते हैं, और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए निवारक उपाय कर सकते हैं।”

[फा.सं. ए वी 11012/3/2012.ए]

अरुण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पणः—मूल नियम भारत के राजपत्र में तारीख 05 मार्च, 2003 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 206(अ), द्वारा प्रकाशित किए गए और अंतिम संशोधन तारीख 21 जून, 2012 को अधिसूचना सं. सा.का.नि. 487(अ), द्वारा किया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th February, 2015

G.S.R. 76(E) .— The following draft of certain rules further to amend the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above, will be considered by the Central Government.

Draft rules

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Amendment Rules, 2015.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003,—
- (a) In rule 2,—
 - (i) in clause (6), for the words “or major property damage”, the words, “or damage to major property or environment” shall be substituted’
 - (ii) for clause (7), the following clause shall be, substituted, namely:—

“(7) “dangerous goods incident” means,

 - (i) an occurrence, other than a dangerous goods accident, associated with and related to the transport of dangerous goods by air, not necessarily occurring on board an aircraft, which results in injury to a person, property or environment, or fire, breakage, spillage, leakage of fluid or radiation or any incident occurred due to defect in packaging; and
 - (ii) an incident occurred due to the transport of dangerous goods which seriously jeopardizes the aircraft or its occupants.”
 - (iii) after clause (8), the following clause shall be inserted, namely :—

“(8A) “exemption” means an authorisation issued, other than an approval granted by an appropriate national authority providing relief from the provisions contained in the Annexes and the Technical Instructions;”
 - (iv) for clause (18), the following clause shall be substituted, namely :—

“(18) “Technical Instructions” means the instructions for the safe transport of dangerous goods by air, approved and issued periodically in accordance with the procedure established by the International Civil Aviation Organisation Council;”
- (b) after rule 9, the following rule shall be inserted, namely,—

“(9A). Mis-declared or Undeclared Dangerous Goods.—(1) The Operator or any other person directly or indirectly acting on his behalf for the acceptance and or handling of baggage, cargo or mail, notices or finds mis-declared or undeclared goods, submit a report to the Director General.

(2) The report under sub rule (1), in addition to such other relevant information, shall also contain the following information, namely:—

 - (i) Name and address of person or operator reporting;
 - (ii) Name and address of the shipper;
 - (iii) Date and location of detection of mis-declared or un-declared dangerous goods;
 - (iv) Class or division of dangerous goods with the proper shipping name and quantity of such dangerous goods;

(3) On receipt of the report the Director-General may, if considered necessary, order an investigation to determine the causes of mis-declared or un-declared dangerous goods and take preventive measures to avoid re-occurrence of such occurrences.”

[F. No. AV.11012/3/2012-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Note.—The principal rules were published in the Gazette of India, vide notification number G.S.R. 206(E), dated 5th March, 2003 and last amended *vide* Notification number G.S.R. 487(E), dated 21st June, 2012.